OXFORD PUBLIC SCHOOL

AFFILIATED TO C.B.S.E. DELHI, SCHOOL CODE No: 66318
Pragati Path, Ranchi 834 001, Jharkhand
Website: **www.oxfordpublicschool.nic.in**; E-mail: **oxfordpsranchi@rediffmail.com**
Phone : 7485096731

प्रेस विज्ञप्ति

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, राँची में 'नैतिकता और सत्यनिष्ठा को बनाए रखने' पर इन-हाउस प्रशिक्षण

10 मई, 2025 को ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, राँची के परिसर में 'नैतिकता और सत्यनिष्ठा को बनाए रखने' विषय पर एक इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह विद्यार्थियों को अच्छे नागरिक बनाने और एक जिम्मेदार समाज में योगदान करने में मदद करता है । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय के जूनियर विंग और सिनियर विंग के सभी शिक्षक और शिक्षिकाओं ने भाग लिया ।

कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय की अकादमिक निदेशिका डॉ. सिमी मेहता, प्राचार्य श्री रंजीत कुमार ठाकुर, अकादमिक समन्वयक रवि शेखर, जूनियर विंग प्रभारी राज किशोर शर्मा एवं नर्सरी विंग प्राचार्या सोमा घोष के साथ दीप प्रज्ज्वलन और एक मधुर प्रार्थना से हुआ।

कार्यक्रम का संचालन प्रसनजीत घोष ने किया। प्रशिक्षक नबारुन सेनगुप्ता ने उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि 'मदर्स डे' (11 मई) से पूर्व हमें अपनी पहली शिक्षिका 'माँ' को स्मरण कर उन्हें सम्मान देना चाहिए। माताओं को समर्पित एक भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किया गया।

यह सत्र संवादात्मक रहा, जिसमें शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षक नबारुन सेनगुप्ता ने बताया कि सत्यनिष्ठ व्यक्ति सद्गुणों को अपनाकर उन्हें अपने दैनिक जीवन में दर्शाता है। रवींद्रनाथ ठाकुर की प्रसिद्ध पंक्ति 'जदि तोर डाक शुने केउ ना आसे, तोबे एकला चलो रे' का उल्लेख हुआ। साथ ही यह विचार प्रस्तुत किया गया कि "गलती करना मानवीय है", और यह भाव कई समस्याओं का समाधान कर सकता है। गौर गोपाल दास का वीडियो प्रस्तुत किया गया जिसमें यह संदेश था कि हमें समुद्र की तरह विशाल बनना चाहिए और दूसरों की सोच की परवाह नहीं करनी चाहिए।

सुधांशुशेखर नायक के शब्दों को एक वीडियो के माध्यम से साझा किया गया, जिसमें कहा गया कि बच्चों को केवल अकादमिक रूप से नहीं, बल्कि नैतिक रूप से भी संवारा जाना चाहिए। सत्यनिष्ठ व्यक्ति समाज में अत्यधिक सम्मानित होते हैं और एक आदर्श प्रस्तुत करते हैं। उच्च नैतिक मूल्यों वाले छात्र ही जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं।

विद्यालयों को सत्यनिष्ठा की संस्कृति विकसित करनी चाहिए। नौकरी के इच्छुक युवा ऐसी कंपनियों की तलाश करते हैं जिनकी छवि अच्छी हो, वहीं कंपनियाँ भी उन लोगों को प्राथमिकता देती हैं जिनमें उच्च नैतिक मूल्य हों। बच्चों में नैतिकता की भावना हमारे कार्यों और कहानियों के माध्यम से विकसित की जा सकती है, क्योंकि कहानियाँ हमारे मन और कल्पना को सहजता से आकर्षित करती हैं।

शिक्षक अभिमन्यु दुबे ने एक अनुभव साझा किया जिसमें एक छात्र ने उनका खोया हुआ मोबाइल ईमानदारी से लौटा दिया। शिक्षक रवि कुमार ने अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया। शिक्षक देबाशीष भट्टाचार्य ने मध्यकालीन एक सुंदर आध्यात्मिक कथा सुनाई, जो विभिन्न नैतिक मूल्यों पर केंद्रित थी। शिक्षकों द्वारा एक प्रभावशाली भूमिका-नाट्य (रोल प्ले) प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का समापन संजय कुमार झा द्वारा एक सशक्त गीत प्रस्तुति और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

OXFORD PUBLIC SCHOOL

AFFILIATED TO C.B.S.E. DELHI, SCHOOL CODE No: 66318
Pragati Path, Ranchi 834 001, Jharkhand
Website: **www.oxfordpublicschool.nic.in**; E-mail: **oxfordpsranchi@rediffmail.com**
Phone : 7485096731

Press Release

In-House training on 'Upholding Ethics and Integrity' at Oxford Public School, Ranchi

Today, on 10th May, 2025, an in-house training was organised in the premises of Oxford Public School, Ranchi on 'Upholding Ethics and Integrity'. The programme initiated with the lighting of the lamp and a soulful prayer. The anchor for the day was Prasenjit Ghosh. On this momentous occasion, the dignitaries of the school, the Academic Director Dr. Simi Mehta, the Principal Ranjit Kumar Thakur, the Academic Coordinator Ravi Shekhar, the Junior Wing In-Charge Raj Kishore Sharma and the Principal of the Nursery Wing Soma Ghosh along with the teachers were present to attend the session.

The resource person Nabarun Sengupta requested the audience to reminisce and give due regard to their mothers as a mother is considered as the first teacher. The auspicious occasion of 'Mother's Day' falls on 11th May. A splendid and heart touching song was played revering all mothers. The lyrics of the song were displayed on the digital screen for the audience.

The session was an interactive one with enthusiastic participation by the teachers. A person of integrity inculcates good virtues and exhibits them in day to day life. The words 'Jodi tor Daak Shune Keo na Ashe tobe akla chilo Re' of our great Nobel laureate Rabindranath Tagore were recollected. The realisation of the fact that 'To err is human' can solve innumerable problems. Integrity defines a personality. The great spiritual teacher Gaur Gopal Das and his pertinent lesson of life 'To be like the ocean, we need not be bothered about the perception of others' was presented through a video.

Children should be moulded not just academically but also morally. These were the words of Sudhanshu Shekhar Naik which was presented through a video. People who possess integrity are highly revered in society. They set an example before society. Students with high integrity are the ones who achieve something in life.

Schools should build a culture of integrity. Aspirants for jobs too look for companies with a good reputation. Companies too look for individuals with high integrity and values. Values can be instilled in children through our actions and through storytelling. Stories have a unique way of capturing our minds and attention. It transports us to a world of imagination.

Abhimanyu Dubey, a teacher of the school narrated a personal incident in which a student of the school returned the mobile which he had left unknowingly at a certain place. This incident stressed on the importance of the value of honesty. Ravi Kumar recited a self-composed poem on 'Integrity'. Debashish Bhattacharya narrated a beautiful story pertaining to medieval times based on spirituality and focusing on different forms of ethics. Role plays were conducted in which teachers participated actively. The programme came to an end with the powerful rendition of a song by Sanjay Kumar Jha and the National Anthem.